Haryana Vidhan Sabha

Debates

5th February, 1969

Vol. I—No. 6

OFFICIAL REPORT

CONTENTS

Wednesday, the 5th February, 1969

	Page
Starred Questions and Answers	(6)1
Unstarred Questions and Answers	(6)15
Point of order	(6)15
Questions of Privilege	(6)16
Call Attention Notices	(6)17
Suspension of Rule 104 in its application to the Motion reg-suspension of certain Members	(6)19
Suspension of certain Members for the remainder of the Session	(6)22
Adjournment of the House	(6)25
Annexture 'A'	(i)

HARYANA VIDHAN SABHA

Wednesday, the 5th February, 1969

The Vidhan Sabha met in the Hall of Haryana Vidan Sabha, Vidhan Bhavan, Chandigarh-I, at 2.00 P.M. of the Clock. Mr. Speaker (Brig. Ran Singh) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Starred Question No. 136

Mr. Speaker Hon. Members, the Questions. An extension has been sought for Question No. 136, which has been granted.

Shri Daya Krishan : By what date, Sir.

Mr. Speaker : For the next 5;6 days. Next Question, please. Reorganisation of Districts in the State

***137. Shri Daya Krishan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any scheme to reorganise the districts in Haryana ;

(b) if so, within what period the scheme would be materialized ;

(c) if not, whether the Government propose to make any scheme to reorganise the districts in the State

(d) whether the Government has received any representation on behalf of the villages of Rajound Block Samiti- to include Rajound Block in Jind District ;

(e) if so, what action the Government has taken in the matter?

Shrimati Om Prabha Jain (Finance Minister) : (a) No.

(b) Does not arise

(c) Not yet.

(d) Yes.

(e) In view of the above, the question does not arise.

श्री दया कृष्ण : वजीर खजाना साहिबा ने सवाल के पार्ट (सी) के जवाब में बताया है कि not yet तो क्या नीयर फियूचर में डिस्ट्रिक्ट्रस को आर्गेनाईज करने की बात ध्यान में है?

मन्त्री : फिलहाल तो ऐसी कोई बात नहीं है ।

श्री दया कृष्ण : क्या उन लोगों की तकलीफें गवर्नमैंट के ध्यान मैं है जिन को कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर दूर पड़ते है' ।

Mr. Speaker : This question is hardly necessary. We now go to the next Question.

Small Savings Scheme

***186. Major Amir Singh Chaudhry:** Will the Chief Minister be

pleased to state -

(a) districtwise and yearwise amount of prizes won by various district units functioning in the Haryana State up to 31st December, 1968, in connection with Small Savings Scheme since such units were established in the State ;

(b) whether there are any rules governing the utilisation of such amounts, mentioned in (a) above, at district level ; and

(c) if so, a copy of the same may be laid on the Table of the House ; if not, the manner in which the various amounts secured by respective districts have been utilised ?

Shrimati Om Prabha Jain (Finance Minister) : (a) The requisite information is given as under :—

Serial No.	Year	Name of the District	Amount of prize won (Rs in Lacs)
I	1966-67	Ambala	1.5
		Mohindergarh	3.00
		Gurgaon	3.00
2	1967-68	Mohindergarh	2.00
		Ambala	2.00

3	1968-69	Mohindergarh	2.00
		Ambala	2.00
		Jind	2.00

(b) Yes.

(c) The amount of prize is to be utilised at the district level in consultation with the Chairman, Zila Parishad, on developmental activities, keeping in view the contributions made by respective areas in the Small Savings Securities for the year in question.

A comprehensive scheme for the utilisation of the amount has to be sent by each District to Government for approval before utilising the amount of award. A proper account of the expenditure incurred is to be maintained by the Deputy Commissioner which is also subject to audit.

मेजर अमीर सिंह चौधरी : 1967–68 में महेन्द्रगढ़ को 6 लाख के इनाम दिए गए और अम्बाला को भी दौ लाख के दिए गए । फिर 1968– 69 में महेन्द्रगढ़ को दो लाख अम्बाला और जींद को भी दौ ताख के इनामात दिए गए । यह इनामात की रकम रखने का क्राईएरिया क्या है और किस तरह दिए जाते हैं?

Minister : It is already given in the reply.

Major Amir Singh Chaudhry : Sir, I asked for a copy of the Rules governing the utilization of these funds, which has not been supplied. May I know whether it will be laid on the Table of the House ?

Minister : A copy of the said Rules has not been laid on the Table of the House. It has, however, been explained in the written reply that these amounts will be utilized by the Deputy Commissioner in consultation with the Chairman, Zila Parishad, and he will get the approval of the Government before utilizing the amount of the award.

मेजर अमीर सिंह चौधरी : मैंने पूछा था कि क्या कोई ऐसे रूल्ज हैं कि नहीं, आप ने जवाब दिया था कि है । तो में पूछना चाहता हूं कि वह रूल्ज रिटर्न है या जवानी हैं ।

मन्त्री : में पता कर सुगी अगर लिखित ख्प में होंगे तो उन की कापी मैं आप को दे द्रूंगी ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या वजीर खजाना साहिबा बताएंगी कि जो यूनिट जितना रुपया दे उन को इनामात के अंदर उस के मुताबिक हिस्सा मिलना जरूरी है कि नहीं ।

मन्त्री : इस चीज का भी आल किया जाता है ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : जिन आदमियों ने जितना कंट्रीब्यूशन दिया हो उन को उस प्रोपोशन के हिसाब से अगर हिस्सा न मिले तो उस का आयदा स्माल सेविंग में कंट्रीब्यरुशन करने पर बुरा इफैक्ट नहीं होगा ।

मन्त्री : अगर कहीं कोई ऐसा केस हुआ हो तो आप मेरे नोटिस में लाए हम देख लेंगे ।

Police Control of Dadri Sub-Division (Civil)

***185. Major Amir Singh Chaudhry :** Will the Chief Min ister be pleased to state —

(a) whether it is a fact that in Mahendergarh District, part of Dadri Sub-Division (Civil) is controlled for Crime by Satnali Police Station of Mahendergarh Sub-Division (Civil) ;

(b) if so, reason for bifurcating a Revenue Unit, for po lice control and putting the people to uncalled for inconveni ence

(c) whether similar example of dual control exists in some other district of the State ; and

(d) if not, whether Government proposes to reconsider to bring Dadri Sub-Division under single control and redress the legitimate public grievance arising therefrom ?

श्री बंसी लाल : (क) जी हां ।

(ख) यह दादरी तहसील के उप मण्डल बनाने पर प्रशासनिक सुविधा के लिए किया गया है ।

(ग) जी हां ।

(घ) जी हॉ ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : स्पीकर साहिब, मैंने पार्ट (बी) में जो सवाल पूछा था उस में शायद हिन्दी में तरजुमें की वजह से कोई गलती हो गई होगी । मैं अंग्रेजी वाले को पढ़ता है––

(a) Whether it is a fact that in Mahendergarh District part of Dadri Sub-Division (Civil) is control led for Crime by Satnali Police Station of Mahendergarh Sub-Division(Civil)

(b) if so, reason for bifurcating a Revenue Unit, for police control and Putting the people to uncalled for inconvenience.

इसका चीफ मिनिस्टर साहिब ने जवाब यह दिया है कि इस वजह से पुलिस स्टेशन को बाईफरकेट किया गया है कि दादरी सिविल सब–डिवीजन को इस से फैसिलिटी होगी । मैं पूछना चाहता हूं कि एक सिविल सब–डिवीजन के एरिया का अगर दो जगह कंट्रोल कर दिया जाए तो उस से पब्लिक को कनवीनियेन्स कैसे होगी ।

मुख्य मंत्री : मेरा जवाब देने का मतलब यह है कि दादरी पुलिस स्टेशन और सतनाली पुलिस स्टेशन बाढडा में शामिल थे अब हम ने बाढडा मिला कर सतनाली कर दिया है ।

Cremation of Dead Body of Shri Ujagar Singh at village Siwan, district Karnal

***219. Shri Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the name of the person who cremated the dead body of one

Shri Ujagar Singh who died as a result of recent Police firing at village Siwan, district Karnal, together with the name of the place where the said cremation was done ;

(b) whether it is a fact that the dead body of Shri Ujagar Singh was not handed over to his heirs, if so, the reasons therefor ?

Shri Bansi Lal : (a) The dead body of Shri Ujagar Singh was cremated at the cremation ground Kunjpura Road, Karnal, in the presence of his wife and mother with the assistance of local Sewa Samiti.

(b) The dead body was offered to his wife and mother but they said that they had no objection if it was cremated at Karnal. Their statements to this effect were recorded by the Magistrate 1st Class, Karnal.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब जो स्टेटमंट मैजिस्ट्रेट साहिब ने रिकार्ड किया है क्या मुख्य मन्त्री साहिब उस की कापी हाउस के टेबल पर रखने की मेहरबानी करेंगे?

मुख्य मन्त्री : जी नहीं ।

श्री मंगल सैन : जिस वक्त श्री उजागर सिंह का दाह संस्कार किया गया उस वक्त सरकारी कर्मचारी साथ कौन कौन थे?

मुख्य मन्त्री : इस के बारे में कल आप का काल अटेंशन नोटिस नम्बर 9 आया था उसके जवाब में जितनी इन्फर्मेशन दी जा सकती थी वह मैंने दे दी थी, उस से आगे मैं कुछ नहीं बता सकता क्योंकि केस सबजुडिस है ।

Malik Mukhtiar Singh: May I ask the Chief Minister whether ii is a fact that the thumb impressions of the wife and mother of Ujagar Singh were taken forcibly by the Police and that the details of the statement made by them were not explained to them?

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब, जबर्दस्ती तो किसी का स्टेटमैटं कभी नहीं लिया जाता केस सबजुडिस होनें के बावजूद मैं जितनी इन्फर्मेशन दे सकता था वह मैं जवाब में दे चुका हूं ।

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब, मैंने थम्ब इम्प्रैशन की बाबत पूछा था कि उस का अंगुठा लगवाने से पहले उस को बताया गया था कि उस मैं क्या लिखा हुआ है । इस का जवाब चीफ मिनिस्टर साहिब ने नही दिया ।

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब, जो स्टेटमैट के कागज हैं वह चीज अदालत में कास–एग्जैमिन होनी है । इसलिये मैं उसके बारे में कैसे कुछ कह सकता हूं ।

श्री मंगल सैन : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बताएंगे कि जो केस पुलिस की ओर से दर्ज किया गया कि हम ने सै सेल्फ डिफैसं में गोली चलाई जैसे कि पुलिस आम तौर पर किया करती है यह सबजुडिस है या कि दाह संस्कार सबजुडिस है ।

मुख्य मन्त्री : सभी चीज सबजुडिस है जी ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहिब, मैं आपका रूलिग चाहता हूं कि क्या सरकार जवाब देने से इन्कार कर सकती है जो मामला सबजुडिस की जूरिसडिक्शन में न आता हो?

श्री अध्यक्षः इस में क्वेश्चन यह है कि केस क्या रजिस्टर हुआ दे? केस किस चीज का हं?

श्री मंगल सैन : क्या मुख्य मन्त्री जी एफ. आई. आर. पढ़ कर सुनाएंगे कि केस क्या दर्ज हुआ है?

मुख्य मन्त्री : एफ. आई. आर. के बारे में जो बताया जा सकता था और काल अटैशन में जो पूछा गया था वह बताया जा चुका है ।

श्री मंगल सैन : कल के जवाब में इस बात का कहीं कोई जिक्र नहीं कि कैसे उनका दाह संस्कार किया गया । मैं समझता है कि यह सबजुडिस नहीं है और मुख्य मन्त्री साहिब को इसका जवाब देना चाहिये कि क्या जो उनके वारिस हैं उनसे जबर्दस्ती अंगूठे लगवाए गहा या उन्होंने अपने आप आफर किया कि चलो जुलम कर दिया तो कर दिया अब क्या हो सकता है?

श्री अध्दक्ष : आप यह बताएं कि केस क्या है जिते सबजुडिस कह रहे है ।

मलिक मुख्तियार सिंह : कल की वात और है आज जो सपैसेफिक सवाल किया गया है इसका जवाब इन्हें आज देना चाहिये और एफ. आई. आर. पत्र कर सुनाना चाहिये. । यहां हाउस के सामने

सवाल यह है कि उजागर सिंह की डैड बाडी को कैसे क्रीमेट किया गया और स्टेटमैटं कैसे लिये गए । यह सबजुडिस कह कर अपने. को शील्ड न करें और इस की प्रोटेक्शन सीक न करे । आया उसकी मदर और वाईफ के डैड बाडी मांगने के बावजुद उन कौ धक्के–मुक्के मार कर भगा दिया और जहां तक पता लगा है कि उन्हें डंडे मारे उनके जिस्म पर जर्बात है । क्या यह ठीक है कि उन को डैड बाडी नहीं दिया गया?

Mr. Speaker : The main thing here is whether any reference pertaining to this question will come up in the case which is now subjudice.

Malik Mukhtiar Singh : No, certainly not because the disposal of the dead body of Ujagar Singh has no relevancy in the case which is said to be subjudice.

मुख्य मंत्री : स्पीकर साहिब, मैं हैरान हूं कि वह कैसे कहते हैं कि डैड बाडी से उसका कोई वास्ता नहीं अगर नहीं हूँ तो फिर यह 302 का इस्तगासा क्यों हुआ है ।

श्री मंगल सैन : क्या आप बताएंगे कि उनका दाह संस्कार कितने बजे हुआ, पैट्रोल से आग लगाई गई या लकड़ियों से विधि अनुसार किया गया?

मुख्य मन्त्री : दाह संस्कार किस चीज से हुआ मैं इस डीटेल में नहीं गया । वैसे यह सब कुछ ऐवीडैसं का पा है ।

(Some hon. Members rose to ask further supplementaries)

Mr. Speaker : 1 think we have had a number of supplementaries on this question. We are losing time and I think we should now go on to the next question. Next question, please.

Graduate Lady Teachers serving in the Rural Areas.

***184. Major Amir Singh Chaudhry** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) total No. of graduate lady teachers (all categories) in the Government employment in the State and percentage' thereof which is serving in the rural area;

(b) whether Government is aware that generally the posts of graduate lady teachers in Government Girls Schools in rural areas remain unmanned and male teachers are posted there as stop-gap arrangement;

(c) if so, the steps Government proposes to take to divert a reasonable number of graduate lady teachers to rural area;

(d) whether before posting male teachers in Girls Schools due consideration of ripe age, clean service record and good reputation are given: and.

(e) if so, a copy of the special directions, if any, issued in this regard may be laid on the table of the house; if no instructions have been issued so far whether government intend to issue the same now.

Shri Bansi Lai : (a) The information is not readily available and the same is under collection from the field and will be

supplied later on.

(b) Yes.

(c) 205 posts of masters have already been allotted for appointment of mistresses (lady graduate teachers) which are mostly in rural areas.

(d) Yes.

(e) No special directions in this regard have been issued.

Major Amir Singh Chaudhry: Mr. Speaker Sir, in part (d) of the question I had asked—

"(d) Whether before posting male teachers in Girls Schools due consideration of ripe age, clean service record and good reputation are given;

and the reply given is "Yes". Further in part (e) of the question T had enquired—

"(e) If so, a copy of the special directions, if any, issued in this regard may be laid on the Table of the House."

and the reply given by the Government is—

"No special directions in this regard have been issued."

सो क्या मैं जान सकता हूं कि यह इन्स्कूक्शनब राइप एज वाली क्या कैरी आउट होती हैं और किस आधार पर होती हैं?

मुख्य मन्त्री : वह कनवैनशन्ज के आधार पर होती है ।

Higher Secondary Schools downgraded to high schools in the State

***220. Shri Mangal Sein**: Will the Chief Minister be pleased to state the names of Higher Secondary Schools downgraded in to High schools in the State so far together with the reasons therefor ?

Shri Bansi Lal: A statement giving the requisite information (Annexure I) is laid on the Table of the House.

ANNEXURE I

STATEMENT SHOWING THE NAME OF HIGHER SECONDARY SCHOOLS DOWNGRADED TO HIGH SCHOOLS IN THE STATE

Serial No.	Name of the District	Name of the School	Reasons for downgrading
		(a) Government Schools	
1	Ambala	Government Hr. Sec. School, Khadri	I. Poor enrolment 2. Insufficient accom-modation
2	Do	Govt. Hr. Sec. School, Moroi Hills	Poor enrolment

3	Hissar	Govt. Girls Hr. Sec. Schools, Loharu	1. Poor enrolment 2. Insufficient accommodation
1	Do	Govt. Girls Hr. Sec. School, Tohana	1. Poor enrolment especially in Science Group 2. Insufficient accommodation
	Do	Govt. Hr. Sec. School, Bahuna	Insufficient accommodation
6	Rohtak	Govt. Hr. Sec. School Khidauli Pehladpur	Poor enrolment
7	Do	Govt. Girls Hr. Sec. School, Badli	Poor enrolment
8	Karnal	Govt. Hr. Sec. School, Naguran	Poor enrolment
9	Jind	Govt. Hr. Sec. School, Dhigana	Poor enrolment
10	Mohinderg arh	Govt. Girls Hr. Sec. School, Jhoju Kalan	Poor enrolment No Science room
		(b) Private Schools	
11	Hissar	C.A.V. Hr. Sec. School, Hisser	The school was allowed to

			revert to high school pat- tern on the request of the management
12	Hissar	Jat Hr. Sec. School, Hissar	Ditto
13	Ambala	K.P.A.K. Girls Hr. Sec. School, Ambala City	Ditto
14	Rohtak	Kanya Gurukul Hr. Sec. School, Khanpur Kalan	Ditto

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब मेरी कठिनाई वही है जो मैंने पहले भी अर्ज की थी कि जब मैं सदन मै आने वाला था उस समय विधान सभा का क्लर्क मेरे पास जवाब ले कर आया उस वक्त सैशन शुरू होने में दो मिनिट थे । मैं यह सचिव महोदय के नोटिस में ले आया हूं । आप के कहने के बावजूद सरकार डिले करती है ताकि हम सप्लीमैंटरी तैयार न कर सकें । अब इन्होंने कह दिया कि टेबल पर ले कर दिया मैं सप्लीमैटंरी कब करुगा?

Mr. Speaker: I had gone into this matter to a great extent yesterday and I find that some of the hon. Members unnecessarily bring pressure on the staff of the Vidhan Sabha. Now I have decided that-

(1) Replies from the Government to various

questions will reach the Vidhan Sabha Secretariat 24 hours before the commencement of the sitting of the House for the day they are due for answers;

(2) There will be an officer detailed in the Vidhan Sabha Secretariat, he may be the Secretary, the Deputy Secretary or some other Officer/official who will have these things ready half-an-hour before the House is due to meet and the hon. Members concerned can collect a copy of the necessary answer, from him.

श्री मंगल सैन : मेरी सबमिशन यह है कि आप ने जो बात अब कहीं है वह हमारे लिये नई है । हमेशा जो क्लर्क है, स्टाफ है वह 24 घंटे पहले जवाब दे दिया करते है । आप ने फरमाया कि कुछ मेंबर ऐसे है जो स्टाफ पर अननसैसरी प्रैशर डालते हैं आपको उन को नेम करना चाहिए । मैं उन लोगों मैं से नहीं हूं जा ऐसा करते हैं । जो नाजायज तरीका है उसका में प्रोटेस्ट करता हूं यह नहीं कि हर एक नाजायाज बात टालरेट की जाए । दो मिनट पहले अगर जवाब मिले तो उसे पढ़ें कब और स्पलीमैटरीज कैसे करें । उन के पास इतना स्टाफ है वहू तैयार हो कर आएं हमें क्यों टाईम थोड़ा मिले ।

Mr. Speaker: As I have said earlier, I have gone into this matter thoroughly and have found that the practice in Punjab also used to be that answers in relations to those questions, where answers were lengthy, were issued to the Members concerned half-an-hour before the House met.

Since you cannot raise here any question about the Vidhan

Sabha Staff, therefore, I will not like any hon. Member to be involved visa vis the Vidhan Sabha staff here in the House. I have received a number of complaints from my staff where undue pressure was brought on them in this connection. This is not correct and as a result, I have issued orders that a responsible Officer will be detailed in the Vidhan Sabha Secretariat who will have all the replies on his table and the hon. Members could collect the same from him half-an-hour before the house is due to meet.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब आप इस को कल पर पोस्टपोन कर दे।

श्री अध्यक्ष : आप को मिला या नही?

श्री मंगल सैन : मुझे नहीं मिला है ।

Mr. Speaker : All right, we postpone supplementaries on this question for tomorrow.

Next question please.

Old Age Pension

***138. Shri Daya Krishan:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the old age pension has since been stopped; if so, the reason therefor;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to revive the old age pension scheme; if so, when; if not, the reason therefor`?

Shri Bansi Lal: *The* requisite information is as under—

(a) Yes. It was stopped with effect from 1st April, 1967 due to paucity of funds.

(b) The matter is, however, under consideration.

श्री मंगल सैन : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बताएंगे कि आप की पार्टी ने इस बात का आश्वासन दिया था कि अगर हम मध्यावधि चुनाव में पावर में आएंगे तो जाते ही यह शुरू कर देंगे तो अब आप उस वचन को क्यों पूरा नहीं कर रहे हैं?

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब यहां मेरी पार्टी का मैनी फैस्टो डिसकस नहीं हो रहा है अगर कोई क्वैश्चन पूछेंगे तो जवाब दूंगा ।

श्री मंगल सैन : आखिर उन लोगों में आप भी थे जो बूढ़ों को कहते थे कि वोट दो पैसे दिया करेंगे । इन्होंने यह वायदे किए हुए हैं ।

Mr. Speaker: It is neither here nor there.

चौधरी हरकिशन लाल कम्बोज : क्या चीफ मिनिस्टर साहब बताएंगे कि यह बंद कब की गई थी?

मुख्य मन्त्री : 1 अप्रैल, 1967 को..... मेरा ख्याल है कि राव साहिब के जमाने में ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, आप इनका मैनिफैस्टो देख सकते हैं जिस में इन्होंने ये वायदे किये हैं ।

मलिक सत राम दास बतरा : स्पीकर साहिब, मैंने एक काल अटैन्शन का नोटिस दिया था जिस का नम्बर 8 है, इस के बारे में पता नहीं क्या हुआ, ऐडमिट हुआ है या नहीं?

Mr. Speaker: Surely, these are taken up after the Question Why do you wish to contravene the rules ?

Election of the Cooperative Federation

***218. Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether the election of the Co-operative Marketing Federation was scheduled to be held during the year 1968; if so, the date which Was fixed for the said election;

(b) whether it is a fact that the election of the said federation was postponed on the very day it was scheduled to be held ; if so, the reasons for the postponement of the said election?

Chaudhri Khurshed Ahmed : (a) Yes. Election of Cooperative Marketing Federation was scheduled to be held on 12th Novermber, 1968.

(b) Yes. The election was postponed on 11th November, 1968.

श्री मंगल सैन : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि कोआप्रेटिव मार्केटिंग फैड़ेशन के इलैक्शन को क्यों पोस्टपोन किया गया था?

मन्त्री : इस के रीजन्ज को डिसक्लोज करना पब्लिक इंट्रैस्ट में नहीं है।

श्री मंगल सैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । स्पीकर साहिब आपने बड़ी कृपा की है कि मेरे इस प्रश्न को ऐडमिट किया है । इस प्रश्न के (बी) पार्ट में मैंने पूछा है whether it is a fact that the election of the said federation was postponed on the very day it was scheduled to be held, if so. the reasons for the postponement of the said election ?

जब आपने इस क्वैश्चन को ऐडमिट कर लिया है तो मन्त्री साहिब कैसे कह सकते हैं कि यह पब्लिक इंट्रैस्ट में नहीं है और इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते?

श्री अध्यक्ष : आप ने क्या कहा है मैंने सुना नहीं । दोबारा कहिए।

Malik Mukhtiar Singh: Sir, in his supplementary question, the hon. Member had asked the reasons for postponing the election and the reply given by the Hon. Minister was that the reasons could not be disclosed as public interest was involved. Sir, this 'public interest' is a term behind which the Government hides so many sins. May I ask the Hon. Minister what is the public interest which is involved in not giving that information ?

Minister: That again is the same.

Mr. Speaker: 1 think, Dr. Mangal Sein had asked for my ruling. I think, I gave a ruling yesterday that if a Minister takes protection under this Rule, I cannot help it. Although, I had mentioned that normally such a plea is not taken and if it is taken, it is taken on certain important points/matters. Therefore. f he claims the privilege, I am afraid, we cannot force him.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिव, फैड्रैशन के इलैक्शन पोस्टपोन होने के जो रीजन्ज हैं उन को सरकार इस लिये नहीं बताती ताकि एक्सपोशन हो जाए । अगर एक्सपोज होने का डर न हो तो रीजन्ज बताने में क्या दिक्कत है? जब यह डिक्लेयर हो गया था कि इलैक्शन होने हैं और फिर उसको पोस्टपोन कर दिया है, इस बात को हाउस में रखने में क्या दिक्कत हे?

Mr. Speaker: Do you remember the wording of my ruling that I gave yesterday? I think, you might recollect it. I had said that I am not here to judge. It is for them to judge. So, I am afraid, a ruling has been given and I would not, therefore, like to say any thing more.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब, यह इस लिये नहीं बता रहे कि इनका अपना इट्रैस्ट इन्वाल्वड है ।

Mr. Speaker The Government if they claim privilege, I cannot ask them to give the answer.

श्रीमती चन्द्रावती : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि कोआप्रेटिव मार्केटिंग फैड़ैशन का कोई चेयरमैन भी होता है, अगर होता है तो

उनका नाम क्या है? मंत्री रू इस के लिये आप सैप्रैट नोटिस दे, इस वक्त मुझे चेयरमैन का नाम याद नहीं है।

श्री मंगल सैन : स्पकिर साहिब, मै आपकै नोटिस में लाना चाहता हूंरू कि. आखिर आप हमारे हाउस के और हमारे प्रिविलिज के कस्टोडियन हैं । इस .डैमोक्रेटिक सैट– अप में आप को जो पावर्ज दी हैं उन को मद्देनजर रखते हुए आप से प्रार्थना करना चाहता हूं । अभी अभी मिनिस्टर साहिब ने कहा है कि इस चीज को डिस्कलोज करना पब्लिक इंट्रैस्ट में नहीं है और आप ने भी कह दिया कि मिनिस्टर साहिद जो फैसला करें वह ठीक है और मैम्बर कुछ नहींकर सकते । मैं समझता हूं यह ठीक नहीँ है । असल में बात यह है कि जब मार्केटिंग कमेटी का इलैक्शन होना था उन दिनो सारी स्टेट से लोग पैसे खर्च करके चंडीगढ़ आये हुए थे, उन्होंने दोपहर को नाश्ता किया । उस वक्त मिनिस्टर साहिब कहने लगे कि कमेटी का इलैक्शन पोस्ट पोन कर दिया है

श्री अध्यक्ष : यह सप्लीमैंटरी कौनसा है?

श्री मंगल सैन : यह मेरी सबमिशन है । मैं पूछना चाहता हूँ कि इस मेँ पब्लिक इंट्रैस्ट क्या है ? क्या पाकिस्तान से जंग शुरू हो गई थी जिसके लिये फौज भेरुने की जरूरत पड़ गई थी? क्या मैडिकल डिपार्टमेंट से डाक्टर भेजने को जरुरत पड़ गई थी? जो काम आप आजकल सुबह से शाम तक करते हैं वही काम करना था । आप किन ग्राउंड पर कहते हैं कि यह पब्लिक इंट्रैस्ट की

बात है ? यह बात आप..दसदिन पहले.कहदेतेयतो अच्छा श ? लेकिन हाउस मेइसतज्ञ कहना डैमोऐक्कोई का गला घोटना है। अब अगर आप कहेंगे तो मैं सप्लीमैंटरी क्वैश्चन करुंगा वरना नही ।

Mr. Speaker : I want to make an observation about it. There is no doubt that a Minister is the best judge whether he can seek protection of public interest. But the point here is that if this thing is normally said on every question or every second question, you are the judge—the House is the judge and I am sure, if some body takes undue protection of this clause, the House will take care of itself. There is nothing to worry.

श्री मंगल सैन : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इलैक्शन को पोस्टपोन करने के सिये स्टे–आर्डर किस ने किये ई?

मन्त्री : ये स्टे–आर्डर गवर्नमेंट की तरफ से हुआ है ।

श्री मंगल सैन : मैं पूछना चांहूगा हूं कि स्टे–आर्डर मन्त्री महोदय के अपने हा थ सैं हुए हैं या डिपार्टमंट के सैक्रेटरी से हुए हैं?

Chief Minister : Government is Government. It includes the Secretary and the Minister, both.

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहिब, मैंने पूछा था कि कोआप्रेटिव मार्केटिंग फैड़ैशन के चेयरमैन कौन हैं? मन्तृरी महोदय ने कहा था कि इस के लिये सैप्रेट नोटिस दें । मैं मंत्री महोदय से पूछना

चाहती हूं कि क्या चेयरमैन का नाम' जानने केलिये सैप्रेट नोटिस की जरूरत है?

स्वास्थ्य मंत्री : मेरे पास चेयरमैन का नाम आ गया है । वे इस सदन के सदस्य राव दलीप सिंह जी है ।

श्रीमती चन्द्रावती : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि उनका इलैक्शन कि वक्त और किस तरीके से हुआ था?

(कोई जवाब नहीं दिया)

मलिक मुख्तियार सिह : स्पीकर साहिब, मुख्य मंत्री महोदय ने अभी एक सप्लीमेंटरी के जवाब में बताया कि स्टे–आर्डर मिनिस्टर और सैकेटरी दोनो ने मिल कर दिये थे । मैं मुख्य मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उस कलम पर दोनों के हाथ एकदम पड़े थे या अलग अलग?

मुख्य मन्त्री : मैंने गवर्नमेंट की डैफिनीशन दे दी हे कि Government is Government. Government includes the Secretary and the Minister, both.

श्री मंगल सैन : क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताएंगे कि रूल्ज के मुताबिक क्या गवर्नमेंट स्टे–आर्डर कर सकती है? क्या गवर्नमेंट को स्टे–आर्डर करने की पावर्ज हैं? वे कौन से रूल्ज हैं जिन के तहत स्टे–आर्डर किया गया?

मुख्य मंत्री : स्पीकर साहिब, रूल को हाउस में कोट करना ठीक नही, इस के लिये तो ये लोग कोर्ट में खि कर सकते हैं । जो इत्तलाह गवर्नमेंट दे सकती थी, दे दी है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, क्या मुख्य मन्त्री का यह जवाब ठीक है कि हम हाई कोर्ट में रिट करने के लिये जाएं? अगर हाई कोर्ट में जाने की बात है तो यह सैशन किस लिए बुलाया? स्पीकर साहिब, मेरी आप से सब मिशन है कि आप स्पीकर के ओहदे पर विराजमान हैं आप देखें कि हाउस में जो बिजनैस कंडक्ट होता है वह प्रापर्ली होता हूँ या नहीं, आप को इस बात का फैसला करना है । मैंने एक सप्लीमेंटरी सवाल पूछा है कि क्या स्टे–आर्डर रूल्ज के मुताबिक किये हैं या नहीं? इस के जवाब में मुख्य मन्त्री महोदय ने कहा कि हाई कोर्ट में रिट कर दो । मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि अगर हम ने इस चीज को हाई कोर्ट में चौलेंज करना है तो इस को इन से पूछ कर नहीं करना है ।

Mr. Speaker : Now there are two things to be considered. Firstly normally a reply to this sort of a question must come from the Government. Secondly there are certain things that a Member can find out from documents or orders on the subject. In this case, I am sure, the procedure of electing or nominating this officer is laid down in some book-let (or order). So this information, a member can quite easily obtain from certain documents which are not of a confidential nature.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, मेरी प्रार्थना यह है कि मैंने यह प्रश्न किसी खास मकसद से पूछा है । इलैक्शन हुआ करते है और पोस्टपोन हो जाया करते हैं । इनको अख्तियार नहीं था स्टे–आर्डर करने का । इन्होंने जान–बूझकर ऐसा किया है । मैं जानता हूं कि कितने इनोसैन्ट हैं ये । मुझे इस बात का बड़ा अफसोस है । मैं तो आप से ही कह सकता हूं, खुद तो क्या कहना है, कि ये बात को कसील करना चाहते. है' । हकीकत यह है कि इन्होंने अपनी हार से बचने के लिये यह नाजायज आर्डर किया जो करना नहीं चाहिये था ।

Mr. Speaker : So it appears to me that they are not giving the reply for the reason because Shri Mangal Sein knows the answer. (Laughter)

श्री मंगल सैन : डा० मंगल सैन को नोटिस में तो, स्पीकर साहिब, यह बात है मगर मैं देश की जनता को बताना चाहता हूं कि कितने अन–फेयर हैं ये लोग! हम लोग जनता के नुमांयदे है' और उन के गाढे पसीने की कमाई से पैसा लेते हैं । उस जनता को पता लगना चाहिये कि हमारी सरकार कितनी ईमानदार है। This I want toi know.

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहिब, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया ।

Mr. Speaker : This deserves an answer.

स्वास्थ्य मंत्री : जनाब, इलैक्शन किस दिन हुआ, वह डेट मेरे पास नहीं है, प्रोसीजर वही हुआ होगा जो नोरमली होता है ।

Mr. Speaker : Since there are no more questions, we go on to the next item.

UNSTARRED QUESTION AND ANSWERS

Revision of Land Administration Manual

100. Shri Daya Krishan: Will the Minister for Finance be pleased to state whether Government is considering to undertake the work of revision of the Land Administration Manual; if so, the time within which the same is expected to be finalized and published ?

Shrimati Om Prabha Jain: Yes. The completion of this work is likely to take six months.

Unemployment among the Technical and Non-technical Personnel

101. Shri Daya Krishan: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of unemployed persons registered with the

various Employment Exchanges on 1st November, 1966 in the State of Haryana ;

(b) the total number of persons employed during the period from 1st November, 1966 to 31st December, 1968 ;

(c) whether the Government has started any new

scheme to remove unemployment amongst the non-technical and technical persons; if so, the details thereof;

(d) the total number of unemployed Engineers and of Overseers, separately, as on 31st December, 1968 and registered the various employment. Exchanges in the State?

श्री बंसी लाल : (ए) 36929

(बी) 53360

(सी) (क) रोजगार निदेशालय में उच्च योग्यता प्राप्त आवेदकों कैं लिए एक वति–व्यवसायिक तथा प्रबन्धकीय रोजगार अनुभाग की स्थापना की हुई है ।

(ख) उपयुक्त स्कीमों के अतिरिक्त चाण्डीगढ में पहली फरवरी 1969 से विशेष रोजगार कार्यालय की स्थापना हो रही है । यह कार्यालय हरियाणा सरकार के चण्डीगढ स्थित कार्यालयों में रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए हरियाणा में रहने वाले आवेदकों के नाम भेजने का कार्य करेगा ।

इन्जीनयर्ज 170

ओवरसियर्ज 841

POINT OF ORDER

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं व्यवस्था का एक प्रश्न करना चाहता हूं । आपने अभी रूलिंग दी कि पब्लिक इन्ट्रैस्ट की

व्याख्या क्या है और उसको डिसाइड करने का अधिकार सरकार के पास है । लेकिन मैं आप से निवेदन करना चाहता हूं कि यह फैसला कि आया सरकार ठीक तौर पर पब्लिक इंट्रैस्ट में सूचना सदन को देना मानती है या नहीं इस सम्बन्ध में आप को अपना फैसला देना चाहिये । आप सदन के कस्टोडियन हैं और आपको मंत्री महोदय को अपने चौम्बर में बुलाकर बातचीत करके देखना चाहिये कि जिस सूचना को ये सदन में नहीं देना चाहते क्या वह ठीक है । यदि किसी सूचना को सरकार सही कारणों के विना, जानबूझ कर नहीं देना चाहती हो तो फिर मेरी प्रार्थना हैं कि आप को सदस्यों को संरक्षण देना चाहिये । तो इस के बारे में मैं यह निवेदन जरूर करूँगा कि इस केस में आप सम्बन्धित मंत्री महोदय को अपने चौम्बर में बुलाकर कम से कम अपनी तसल्ली कर लें कि आया इस सूचना को न देना पब्लिक इंट्रैस्ट में था या नहीं । (विरोधी दल की तरफ से प्रशंसा) ।

(Khan Abdul Ghaffar Khan rose to speak.)

Mr. Speaker: Khan Sahib Let me reply first.

I agree entirely with Ch. Ranbir Singh that the Question Hour is the most important hour of the House where the House ensures that the Government is functioning properly. In fact t asked my Secretary and I consulted certain books to find out the definition of this word. Unfortunately nowhere in the parliamentary literature it has been defind. Since this is the most important privilege of the Hon. Members to ask questions and if any Minister attempts to take protection of this clause

unnecessarily, the House and the Members will look after it themselves, and I am also here to help you all, if need be I would also like to go into that separately with the Minister concerned.

खान अब्दुल गफ्फार खां : स्पीकर साहिब, मैं आप की विसातत से जानना चाहता हू कि चौधरी रणबीर सिंह जी ने क्या कहा है? कुछ बात मेरी समझ में आई नहीं इन्होने कहा कि आप को कुछ देना होगा और इन को कुछ लेना होगा । मैं मालूम करना चाहता हूं कि वह क्या चीज है जो जनाब देंगे और ये लेंगे? (हंसी)

चौधरी रणबीर सिंह : मैंने संरक्षण शब्द इस्तेमाल किया था जिसके मायने प्रोटैक्शन है अंग्रेजी में ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, यह मौजूं नहीं होगा यदि इस आखिरी उमर में भी वे देने लेने की बात करें ।

Shrimati Chandravati : The Question hour is over. I want to move a motion. Sir.

Mr. Speaker: I think I will just dispose of one or two Privilege Motions and then I shall call upon you.

मलिक सतराम दास बतरा : स्पीकर साहिब, मैंने सीरियल नम्बर 8 का एक काल–अटैन्शन नोटिस दिया था, उसका क्या हुआ है?

Mr. Speaker: Let us deal with the Privilege Motions first and then **I** would like to take your Call Attention Notices.

QUESTIONS OF PRIVILEGE

Mr. Speaker: Privilege Motion No. 4 given notice of by Dr. Mangal Sein, M.L.A. regarding the alleged forcible kidnapping of Shri Joginder Singh, M.L.A., by some C.I.D. officials on the 31st January, 1969, has been referred by me to the Government for its comments. On receipt of the comments I shall take a decision thereon. I have given 48 hours to the Government.

Rao Birender Singh: Since Yesterday.

Mr. Speaker: Yes. Since yesterday's night.

I have received notice of a breach of privilege motion from Shri
Banarsi Das Gupta and Shrimati Chandravati, M.L.As. which reads as follows:—

"Yesterday, the 4th February, 1969, during the sitting of the Haryana Vidhan Sabha, Sarvshri Jai Singh Rathi, M.L.A., Fateh Chand Vij, M.L.A. Ganpat Ram, M.L.A.,Mahant Ganga Sagar, M.L.A,. Chand Ram, M.LA . Rao Birender Singh, M.L.A. and Dr. Mangal Sein,M.L.A., raised slogans in the House and created disorder and defied the orders of the Hon'ble Speaker, They have committed the breach of privilege of the House. Appropriate action may be taken against them."

I hold the motion in order and admitmotion and refer it to the Privileges Committee to examine this matter in all its implications and submit its report by the 5th March, 1969.

CALL ATTENTION NOTICES

Mr. Speaker : Call Attention Motion No. 7 given notice of by Dr. Mangal Sein, M.L.A., regarding the absence of any

emergency ward in the Civil Hospital, Rohtak, as also the non-posting of a doctor on night duty there, is disallowed on the ground as there already exists a medical college in Rohtak which can cater to the needs of patients and also it does not involve a matter of urgent public importance.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, मेरी सबमिशन यह है कि शायद इस की बैक– ग्राउंड आपके नोटिस में नहीं है । सिविल हस्पताल अलग से फंक्शन करता है....

Mr. Speaker : I belong to Rohtak myself. I know the whole thing.

श्री मंगल संन : स्पीकर साहिब, अगर आप ऐसा कहेंगे तो मुझे आप की बात को चौलैन्ज करना पड़ेगा ।

Mr. Speaker : I have given my Ruling.

श्री मंगल सैन : वह ठीक है, लेकिन मुझे अफसोस है यदि यह कहू कर आप इसे टाल दें ।

Mr. Speaker: Call Attention Notice No. 8 given notice of by Shri Sat Ram Dass Batra, M.L.A., regarding the non-flowing of water in the canals in several parts of Haryana, especially in Tehsil Rohtak is admitted. The hon. Member may please read his motion.

श्री सत राम दास बतरा : इस साल अर्थात् 1968– 69 में नहरों में पानी न आने के कारण गेहूं को एक पानी भी प्राप्त नहीं हो सका । हरियाणा के कई भागों में खास तौर पर रोहतक तहसील तथा

बोद और काहनौर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी हिस्से से भी बहुत कम चला हूँ । इससे करोड़ों रुपये का नुक्सान हुआ है और अकाल की सी स्थिति उत्पन्न हो गई है । गरीब किसान का भविष्य अन्धकारमय हो गया है मैक्सिकन और नयी प्रकार के गेहूं बिजवाने में सरकार ने पानी देने के जो वायदे किये थे वहू भी पूरे नहीं किए । रोहतक की नहरो में 6 मास में केवल 25 दिन पानी चला है । इस भयंकर स्थिति को मैं सरकार के ध्यान में इस प्रस्ताव के द्वारा लाना चाहता हूं ।

Mr. Speaker: The Minister concerned may please make a stalement.

Public Works Minister (Shri K.L. Poswal): It is incorrect that in several parts of Haryana, especially in tehsil Rohtak and particularly in Bond and Kahnaur distributaries the water did not flew according to the share. It is also incorrect That the water was not supplied even once to the farmers at the time of sowing of Mexican and other new varities of wheat and that the water was supplied in the Rohtak canals only for 25 days, during the last six months.. The correct position is as follows:- -

From 12th October, 1968 the date on which the Rabi season starts upto 23rd January, 1969, the channels have run approximately for a period of 24 days i.e. for three terms of 8 days each.

The Bond and Kahnaur distributaries ran for 30 days against the share of 24 days from 12th October, 1968 to 23rd January, 1969.

During the period 12th October, 1968 to 23rd January, 1969, viz., a period *of* about 3½ months the channels ran from 24 days to 30 days, for the earlier period of 2½ months i.e., since 1st August, 1968, the channels have been running for about 56 days, thus making the total days of the running of the channels to 80 to 86 days during the last six mohths.

It may be stated that the requirements of water for Delhi Branch

and Hansi Branch of the Western Jumuna Canal is about
8000 cusecs while the minimum supply during the winter season on any day is of the order of about 2,000 cusecs which is only a quarter of the requirements. Tnerefore, all channels have to be closed for three periods of eight days each and are run during The fourth period which means that every distributory has a closure of 24 days and running peried of approximately eight days. This rotation is being strictly followed subject to variations on account of increase or decrease in the river discharge.

Mr. Speaker : Call Attention Notice No. 10 given by Shri Daya Krishan, M.L.A., concerning the alleged damage to the sugarcane crops is admitted. The hon. Member may please read his notice.

Shri Daya Krishan: Sir, I want to draw the attention of the Government to the fact that sugarcane crop is severely damaged this year. The Government should find out the main cause of this damage, and why the same was not averted with the Government help? The House be informed the steps which

the Goverment want to take to check such damage in future.

Chief Minister : Tomorrow, Sir.

Mr. Speaker: The Minister concerned will make the statement tomorrow.

Rao Birender Singh: There were other Call Attention Notices also.

Mr. Speaker : They will come up later. We normally admit one in a day.

SUSPENSION OF RULE 104 IN ITS APPLICATION TO THE MOTION REGARDING SUSPENSION OF CERTAIN MEMBERS

Shrimati Chandravati: Sir, I beg to move—

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding the suspension of Chaudhri Jai Singh Rathi and three others.

श्रीमती शारदा रानी कुंवर : मैं मोशन की ताईद करती हूं ।

राव बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहिब मैं अर्ज करूंगा कि पहला जो मेरा टैक्नीकली आबजेक्शन है.....

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहिब, हाउस में यह मोशन लाना इस लिये जरूरी हो गया कि कल जिस तरह से इस सदन मे

श्री सत्य नारायण सिगोंल : स्पीकर साहिब, मैं इस प्वायंट पर आपकी रूलिंग चाहता हू कि जब एक मेंबर ने मोशन मूख्य मंत्री

और बैठ' गये दूसरे मेम्बर ने इसकी सैकिण्ड कर दिया । तो फर क्या वे. मेम्बर बोल सकते हैं ।

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब, मेरा ख्याल है कि ऐसे मोशन पर स्पीचिज नहीं होती है' और न ही किसी को बोलने. की इजाजत दी जानी चाहिये ।

Mr. Speaker: I agree that normally no speeches are made on such motions. But, since the hon. Member asked for permission to say something, I allowed her to speak.

Rao Birender Singh: I rise on a Point of Order, Sir. The Subject matter of this motion is already before you. The matter has been referred to the Privileges Committee of the House on a motion from the Treasury Benches. The Committee will consider the matter in all its aspects and then give their report. So, where is the need of giving this motion

(Interruptions)

Mr. Speaker: I will answer this question. But, before I do that, **1** will read the Privilege Motion. It says:

"Yesterday, the 4th February, 1969, during the sitting of the Haryana Vidhan Sabha, Sarvshri Jai Sinah Rathi, M.L.A., Fateh Chand Vij, M.L.A., Ganpat Ram, M.L.A., Mahant Ganga Sagar, M.L.A., Chand Ram, M.L.A., Rao Birender Singh, M.L.A. and Dr. Mangal Sein, M.L.A., raised slogans in the House and created disorder and defied the orders of the hon. Speaker. They have committed the breach of privilege of the House. Appropariate action may be taken against them."

It will be seen that this privilege motion concerns the slogans raised and the disorder created in the House by certain Members, and not the orders of the Speaker which certain Members defied by refusing to withdraw from the House when asked to do so by the Speaker.

Rao Birerder Singh: Sir, the subject m

involves the whole affair. In fact, it covers the whole matter, i.e., the raising of slogans and objectionable behaviour which is the subject matter of this privilege motion. The Privileges Committee of the House is going to consider this question. In a way, this matter is now sub-judice before the House or a Committee ofthe House, andthe Members of the Privileges Committee are going to take a decision about this motion. If it is now put before the House that will be pre judging the issue before Privileges Committee considers the matter and gives its report. So th e placing of this motion before the House will be against the privilege o f the House itself.

Mr. Speaker : I will just explain this question. As far as I can see from this side (Government side) they have made two issues. One was that certain Members, the names of whom I have mentioned just now, indulged in slogans and also disobeyed the orders of the hon. Speaker. At that time they did not sit down and did not maintain proper order when the question was put to the House. The second issue appears to he that certain hon. Members were named and were ordered to withdraw but they did not leave the House. So this is a different issue as far as 1 can see.

Rao Birender Singh: Mr. Speaker, we want your ruling.

Mr. Speaker: My Ruling is that as I have mentioned there arc two separate issues.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब यह जो प्रिविलिज मोशन है इस के अन्दर साफ तौर पर लिखा गया है..

Mr. Speaker: This is pertaining to when the hon. Members on this side (Interruptions).

मुख्य मन्त्री : आन ए प्वायंट अ आर्डर, सर । स्पीकर साहिब आप की रूलिंग आ गई तो उस के बाद उस पर टीका टिप्पणी करनी क्या हाउस के लिये मुनासिब है?

Mr. Speaker: Anyway let me explain it again. This disobedience relates to this incident when the Members on this (Opposition) side stood up and started raising slogans while the other matter concerns the withdrawal of the Members from the House. This is the difference , as far as I can make out.

श्री रूप लाल मेहता : स्पीकर साहिब पहले जब इस सिलसिले में प्रिविलिज मोशन आ गई वै तो उसी के बारे में अब दूसरा इशु खड़ा करना उस के खिलाफ जाता है । इस लिये इस की इजाजत नहीं दी जानी चाहिये ।

Mr. Speaker: In this they have made out two issues. The first issue is up to the time the Members were named and they were requested to leave the House, but they failed to obey the

orders of the Chair. This is one . The other issue relates to the time when question was put from the Chair. At that time some Members got up and started raising slogans and shouting. At that time, of course if you remember, I had said "Order, Order". There they again refer to the disobedience of the Chair. So, these are two separate issues.

श्री रूप लाल मेहता : स्पीकर साहिब, हाउस में नारे लगाने का और शोर मचाने का इशु प्रिवलेज कमेटी के पास चला गया हूँ । इस लिये रुस के बारे में दूसरा इशु नहीं आना चाहिये, वह अनडैमोक्रेटिक होगा ।

Mr. Speaker : No please. So I have given may Ruling. (lnterruptions)

Shri Roop Lal Mehta : This should not be admitted. (Interruptions)

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि जब अध्यक्ष महोदय अपना एक रूलिंग देते है' आया वह सवाल किसी प्रिविलिज कमेटी को भेजा जा सकता है या नहीं भेजा जा सकता । जैसे कि कल आप ने एक रूलिंग दी कि यह भाई विदड्रा कर जाए और आप ने आज्ञा दी कि वह सदन से बाहर जाएं । मैं समझता हूं कि जब आप का एक फैसला आ जाग तो उस चीज को प्रिविलिज कमेटी के सुपुर्द नहीं किया जा सकता और न ही उस पर कुछ कहा जा सकता है । इस के बारे में मैं आप की रूलिंग चाहता ह ।

Mr. Speaker: I have already said that they are two separate issues and 1 have admitted.

श्रीमती चन्द्रावती : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, स्पीकर साहिब अगर कोई व्यक्ति दो जुर्म करता है तौ क्या उस क्या दो सजाएं नहीं होती?

Mr. Speaker : This is no point of order.

राव बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहिब, जो कुछ कल हाउस में हुआ और जिस क मुताल्लिक यह मोशन आई है मैं समझता हूं कोई भी आदमी जो पालेटिक्स में हो और थोड़ा तजुर्बा रखता हो वह यह नही कह सकेगा कि जो कुछ हुआ अच्छा हुआ जों कुछ कल हुआ वह इस लिये हुआ कि कल कुछ पर्टिकल्र हालात थे । आप इस बात का ख्याल फरमाएं कि क्या हाउस का टैपर था, किस तरीके से बात शुरू हुई, अपोजिशन ने अपना ए क राईट कलेम किया कि हमारा एक मेम्बर हाउस से गैर–हाजिर है, खास हालात के अन्दर केस रजिस्टर हो चुका है, करुशल टाईम है जबकि मेम्बर्ज की मौजूदगी हाउस में जरूरी है औररू उस मेंबर की हमें इत्तलाह नहीं पहुंच रही, उस की मां परेशान है, बहन परेशान हैं । (विध्न)

मुख्य मन्त्री : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर, स्पीकर साहिब क्या इस किस्म की स्पीच जो वह कल भी कर चुके हैं और कई बार कहू चुके है क्या उन को रिपीट करने की इजाजत दी जानी चाहिये?

Mr. Speaker: I think he is trying to explain the point and I do not think we should be too rigid about it (Thumping from the Opposition side) if a person or the Leader of the Opposition wants to say a few things for half a minute or so.

Rao Birender Singh: Mr. Speaker, Sir, if it is a question of Rule by the Treasury Benches, it is a different matter. But so long as this House lasts there will be the Treasury Benches and there will be an Opposition and this question cannot be settled only by them.

Mr. Speaker: Only if you kindly make it a brief one.

Rao Birender Singh: I will make it brief, Sir.

स्पीकर साहिब, एक्सपैक्टिड यह था कि कम से कम अपोजीशन की तसल्ली कराने के लिये जितने सीरियस एलीगेशन्ज थे उन के मुताल्लिक चीफ मिनिस्टर साहिब कोई न कोई ब्यान देते । यह विल्कुल खामोश है और हमें अफसोस है कि हमें आप की प्रोटेक्शन भी कल नहीं मिली, आप शायद नाराज थे किसी वजह से, और उसके बाद आज यह देखा जा रहा है । अपनी बरूट फोर्स बनाने के लिये अपोजिशन के चार मैम्बरों को यह बाहिर निकालना चाहते हैं । हमारा गवर्नमैंट के रवैये के खिलाफ प्रोटैस्ट था चेयर के खिलाफ कोई बात नहीं थी । इन्होंने जो हथकण्डे कल अख्तियार किए वह आज सबूत की शक्ल में सामने आ रहे है' ।

मुख्य मन्त्री : यही तौ वक्त है ताकत दिखाने का ।

राव बीरेन्द्र सिंह : आप को भी दिखाऊं गे वक्त आने पर । तो स्पीकर साहिब, यह कोई इस हाउस को चलाने वाली बात नहीं है । अगर मेम्बर्ज को इस तरीके से कम करके अपनी मैजोरिटी बना के सरकार चलाना चाहे तो यह बात आप देख ले और वह देख लें ।

मुख्य मन्त्री : आनरेबल लीडर आफ दी अपोजिशन ने हम से यह बात कही कि हाउस चलाने के लिये सरकार चार मैम्बरों को निकालना चाहती है । सारे सदन के सामने कल उन्होंने जिस तरीके से चेयर के साथ ट्रीटमेंट किया वह उन के लिये क्या ठीक था? जो कुछ अपोजिशन के चार मैंबरों ने कल किया इन को चाहिये था कि उन के ऐक्शन को कण्डेम करते और आज ऐसी बात कहने से पहले उन को शर्म आनी चाहिये थी ।

Mr. Speaker: I think we have had enough of talks on this matter...

Shri Mangal Sein: Mr. Speaker, Sir, my submission

Mr. Speaker : 1 am afraid, there should be no more discussion and no more submission on this. Yesterday, the point regarding *yo*ur privilege motion or the abduction of one hon. Member had been brought to my notice. As I have mentioned, it was brought to my notice actually when I had come here because its notice was given late. After passing through various dealing hands in my Secretariat, when it reached me it was past 2.00 p.m. I assured the hon. Member yesterday that 1 will examine it and will take due action. As

he has seen, after that a letter vas sent to the Government asking for investigation anal their comments within forty-eight hours.

Any way, I could only take action after I leave the House. However, the motion moved is—

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding the suspension of Chauduri Jai Singh Rathi and three others.

Rao Birender Singh: I would submit that the motion before the House, against a few members is not justified because whatever happened yesterday was the responsibility of the entire opposition party, all the members sitting on this side. Naming four members in an atmosphere like this and the behaviour, if at all ascribed to four members, be taken into full consideration because that was the behaviour of the entire opposition which represents a very large section of the people, about 60 per cent of the people, who voted against the Treasury Benches party. I would, therefore, say that it will not be justifiable to suspend these four members. This is what I wanted to say.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब मैं एक सबमिशन करना चाहता हूं । अर्ज यह थै कि टाईम ऐंड अगेन आप के नोटिस में जो हाई है डिडनैस यहां मैम्बरान के साथ चंडीगढ़ में होस्टल में तथा फलैट्स में होती है हम लाते रहे हैं और हम ने बार बार

काल अटैशन नोटिसिज प्रिविलिज मोशन्ज दीं और उन पर गवर्नमेंट से जवाब मांगा और तुम ने बड़ी जिम्मेदारी....

मुख्य मंत्री : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर, जब एक मोशन हाउस के सामने रख दी गई है तो बार बार वही बात कहना और रीपीट करना मैं समझता हूं' कि उन के पार्ट पर हाइली अनजस्टीफाईड है ।

Malik Mukhtiar Singh: If they want to take your place, it is another matter. Otherwise, you had allowed me to speak, Sir....

Mr. Speaker: I had allowed you. But be very brief.

मलिक मुख्तियार सिंह : मैं आप से अर्ज करना चाहता हूं कि हूर एक चीज में यह नो में जवाब देते है' । जो चीज हम अपनी आंखों से देखते हैं उन को कैसे मानें । क्या हम गैरजिम्मेदार है कि जौ हम कहे उस पर यकीन न करें और जो गवर्नमेंट जवाब दे उसका यकीन करें?

Mr. Speaker : Please take your seat now.

मलिक मुख्तियार सिंह : एक मेम्बर के साथ ज्यादती होती है और आपने यहां मजबूरी और लाचारी जाहिर की है कि प्रोटैक्शन नहीं दे सकते । हमारे लिये आप बता दें दूसरा तरीका क्या हो सकता था? यहां पर सारी की सारी अपोजिशन ने प्रोटैस्ट किया चार मेम्बर ही नहीं हैं.....

Mr. Speaker : Could you kindly take your seat now.

The fact remains that the four members had been requested to leave the House and it is very painful that that was not done. This is what really happened. It is a matter of shame and disgrace that the dignity and decorum of the House was not maintained.

श्री फतेह चन्द विज : यह गवर्नमैटं के नाम पर शेम है । जिन्हेंने एक मेम्बर को अगवा किया.....

Mr. Speaker: Question is—

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application to the motion regarding the suspension of Chaudhri Jai Singh Rathi and three others.

After ascretaining the votes of the Members by voices, Mr. Speaker said, "I think the Ayes have it." This opinion was challenged and division was calimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for "Aye" and those who were for "No", respectively, to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried.

The motion was carried.

(Voices from the Opposition 'Shame, shame).

Shri Mangal Sein: This is a most undemocratic step by the Treasury Benches.

SUSPENSION OF MEMBERS FOR THE REMINDER OF THE SESSION

Shri Banarsi Dass Gupta (Bhiwani) : Sir, I beg to move—

"Yesterday, the 4th February, 1969, four Members of this House, namely, Sarvshri Jai Singh Rathi, Mahant Ganga Sagar, Fateh Chand Vij and Ganpat Rai, having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw from the House and continued to defy his orders They committed gross contempt of the House and breach of privilege. This House supsends them for the rest of Session and directs the aforesaid Members to absent themselves from the meetings of this House for the remainder of the present Session."

(Noise and interruptions)

Subedar Parbhu Singh: I second this motion.

Mr. Speaker: Motion moved—

That yesterday, the 4th February, 1969, four Members of this House, namely, Sarvshri Jai Singh Rathi, Mahant Ganga Sagar, Fateh Chand Vij and Ganpat Rai having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw from the House and continued to defy his ordres. They committed gross contempt of the House and breach of privilege. This House suspends them for the rest of the Session and directs the aforesaid Members to absent themselves from the meetings of this House for the remainder of the present Session.

Mr. Speaker: Question is—

That yesterday, the 4th February, 1969, four Members of this House, namely, Sarvshri Jai Singh Rathi, Mahant Ganga Sagar, Fateh Chand Vij and Ganpat Rai having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw from the House and

continued to defy his orders. They committed gross contempt of the House and breach of privilege. This House suspends them for the rest of the Session and directs the aforesaid Members to absent themselves from the meetings of this House for the remainder of the present Session.

After ascertaining the voices of the Members by votes, Mr. Speaker said "I think the Ayes have it" . This opinion was challenged and division was claimed. Mr.. Speaker after calling upon these Members who were for "'Aye" and those who were for "No" ,respectively, to rise in their places and on a count having been taken, declared that the motion was carried.

The motion was carried.

(Voices from the Opposition, Shame, Shame.)

ADJOURNMENT OF THE HOUSE

Mr. Speaker: Now these four members may please go out.
(None of the members left the House.)

I give 30 seconds to them and if they do not move within this time I will have to do something else.

(Again none of the members left the House.)

I regret to say that the members have not complied with the Chair's orders; it ill becomes of our House and its dignity and decorum; and is also not very healthy for our democracy and since there is non-coperation from a certain section, I adjourn the House till tomorrow.

3.16 P.M.

(The House then adjourned till 2 P. M. on Thursday, the 6th February, 1969)

ANNEXURE 'A'

[Please see foot-note at page (6) 7 ante]

STATEMENT

District	Headmistresses	Total Lecturers	Mistresses	Headmistresses	Serving in rural Area	Mistresses
Jind	3	1	28			7
Gurgaon	12	20	115	7		51
Rohtak	19	9	273	16		186
Ambala	18	9	206			115
Karnal	16	13	208	10	1	102
Hissar	8	11	166	4		47
Mohinderga	4	2	9	2		5
Total	80	65	1,005	39	1	513

(a) Grand Total 1,150 553

(ii) percentage

of lady Graduate

Teachers serving

in the Rural Area 48%